नजर कदे न लागे

नजर कदे न लागे तेरे नजर कदे न लागे
लै बनया दूज का चाँद बाबा नजर कदे न लागे
नजर कदे न लागे तेरे नजर कदे न लागे
तने खड़ा निहारे जाट बाबा नजर कदे न लागे

मैं हरयाने से आया तेरा रूप देख के टकराया
तेरी बांकी टेढ़ी चितवन मेरा हिवड़ा बहुत लुभाया
तेरे घने निराले ठाठ बाबा नजर कदे न लागे

या मकराने की कोठी तेरी आख्या मोटी मोटी,
हूँ कैसे होले होले भगता पर फेंके गोटी,
सोहे मोरछडी तेरे हाथ बाबा नजर कदे न लागे

तने देख सलोना मेरी हिल गई रे पोरी पोरी,
इब जन्म जन्म की बाबा तेरे से बंध गई गोरी
ते बहुत घना फुरांत बाबा नजर कदे न लागे

काला टिका लग वा ले निम्भु मिर्ची बंधवा ले
एह हर्ष संवारा खुद ने नजरा से आज बचा ले
तेरे रुतबे की क्या बात बाबा नजर कदे न लागे

Source: https://www.bharattemples.com/najar-kade-na-laage/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw